hinsa vs. ahinsa

Fifth edition

Beauty Without Cruelty

Beauty Without Cruelty
is a way of life which causes
no creature of land, sea or air
terror, torture or death

www.bwcindia.org

ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी
एक ऐसी जीवनपद्धति है जो किसी जीव को
चाहे वो भूमि, जल अथवा वायु का हो
भय, पीड़ा अथवा मृत्यु नहीं पहुँचाती

hinsa vs. ahinsa

Thousands of **Hinsa vs. Ahinsa** emails are sent out every fortnight. Each theme is based on **Beauty Without Cruelty**'s motto and can be viewed at http://www.bwcindia.org/Web/Awareness/HinsaVsAhinsa/HinsaVsAhinsa1.html

For the benefit of those **BWC** members who prefer printed versions, 26 selected numbers are again presented in this fifth print edition commemorating **Beauty Without Cruelty**'s 41st birthday and the Jain *Paryushan* in September 2015.

Beauty Without Cruelty asks you to follow
a lifestyle of minimum harm in all aspects –
food, clothing, entertainment, etc.
If you are doing it for enjoyment, do no harm.
If you are doing it for survival, do minimum harm.
If you can do with a less harm-causing alternative, adopt it.
If you can't, question it.
Finally apply the golden rule to what you are doing:
put yourself in the place of the victim of your action.
Listen to your conscience – the voice inside.
It is the voice of truth.

The **Hinsa vs. Ahinsa** production team:
Diana Ratnagar (Conceptualisation & English Editor)
Bharat Kapadia (Hindi Editor)
Shashi Kumar (Designer), Mudra (Printers)

Hinsa vs. Ahinsa is printed on paper free of animal substances.

Special thanks: Khurshid Bhathena, Nitin Gaikwad, Noshir K. Irani, Neeraj Mishra, Kamala Ramchandani, Kalpana Raipure, Sachin Swargiya and Madhulika Varma.

Some pictures in this book have been taken from the Internet.
It is not **BWC**'s intention to infringe anyone's copyright but,
if that has happened inadvertently, we apologize most sincerely,
and thank the photographers for helping us promote animal rights.

Donations, big or small, will be greatly appreciated –
and are exempted under section 80G of the Income Tax Act, 1961.
Please send your contributions in the name of
Beauty Without Cruelty payable at Pune.

प्रत्येक पखवाडे हिंसा बनाम अहिंसा के ई-मेल हज़ारों लोगों को भेजे जाते हैं। ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी के आदर्श-वाक्य पर आधारित प्रत्येक विषय-वस्तु को हमारी वेबसाईट पर देखा जा सकता है।
http://www.bwcindia.org/Web/Awareness/HinsaVsAhinsa/HinsaVsAhinsa1.html

मुद्रित सामग्री पाने को इच्छुक बी डब्ल्यू सी के सदस्यों के लिए
ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी की ४१ वीं वर्षगांठ के अवसर पर एवं सितम्बर २०१५ के
दौरान मनाये जाने वाले जैन पर्युषण पर्व पर प्रकाशित
इस पंचम मुद्रित संस्करण में चुनिंदा २६ विषय-वस्तुओं की पुनः प्रस्तुति की गई है।

ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी अन्न, वस्त्र और मनोरंजन के मामले में
प्राणियों को कम से कम हानि पहुँचे, ऐसी जीवनशैली अपनाने का आग्रह करती है।
यदि आप सुख-उपभोग के लिए ऐसा करते हैं, तो तनिक भी हानि न पहुँचाएं।
यदि आप अपने अस्तित्व के लिए ऐसा करते हैं, तो कम से कम हानि पहुँचाएं।
यदि आप कम हानिकारी विकल्प से चला सकते हैं, तो उसे अपनाएं।
यदि आप स्वयं नहीं कर पाते, तो उसके बारे में सवाल करें।
अंततः आप जो करते हैं, उसके लिए स्वर्ण-कसौटी लागू करें।
आपके उस कार्य से जिसे हानि पहुँचने वाली है, उस शिकार के स्थान पर स्वयं को रखें।
अपनी अंतरात्मा की – अपने भीतर की आवाज़ को सुनें।
यही सत्य की आवाज़ है।

हिंसा बनाम अहिंसा दलः
डायना रत्नागर (संकल्पना और इंग्लिश संपादक)
भरत कापडीआ (हिंदी संपादक)
शशि कुमार (डिज़ाइनर), मुद्रा (प्रिन्टर्स)

हिंसा बनाम अहिंसा प्राणिज घटक मुक्त कागज़ पर मुद्रित है।

विशेष आभारः खुर्शीद भाथेना, नितीन गायकवाड, नोशिर के. इरानी, नीरज मिश्रा,
कमला रामचंदानी, कल्पना रायपुरे, सचीन स्वर्गीय और मधुलिका वर्मा।

पुस्तक में कुछ तस्वीरे इंटरनेट से ली गई हैं।
किसी के कॉपीराईट हनन का बी डब्ल्यू सी कतई मंशा नहीं रही है।
परन्तु, यदि अनजाने में ऐसा हुआ है, तो उसके लिए हम अंतःकरण से क्षमाप्रार्थी हैं।
और उन छायाचित्रकारों को पशु-अधिकार के कार्य को आगे बढ़ाने में सहयोग हेतु हम उनके आभारी हैं।

छोटा या बड़ा प्रत्येक दान कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया जाता है।
जोकि, आयकर की धारा ८०-जी के अंतर्गत कर-मुक्त है।
अपना योगदान पुणे में देय चेक/ड्राफ्ट के द्वारा
ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी के नाम से भेजें।

hinsa vs. ahinsa

Paryushan

पर्युषण

www.bwcindia.org

Non-violence is the supreme vision of life.

अहिंसा परमो धर्म।

The lifestyle promoted by BWC is similar to the *ahinsa* preached by Jainism.

जैन धर्म के द्वारा उपदेशित अहिंसा और
बी डब्ल्यू सी के द्वारा प्रचारित जीवनशैली एक समान ही हैं।

Non-violence means reverence for all life, from the tiniest to the biggest of creatures: no life need be injured or killed, knowingly or even unknowingly.

अहिंसा अर्थात् प्रत्येक जीव,
सूक्ष्मतम से लेकर महत्तम जीव के प्रति आदर:
जान कर या अनजाने में भी
किसी भी जीव का वध या उसे हानि न पहुँचाई जाए।

Michhami Dukkadam

A request for forgiveness from all living beings that may have been harmed during the past year.

मिच्छामि दुक्कडम्

समस्त सजीवों से जिन्हें, विगत वर्ष के दौरान हमारे द्वारा दु:ख पहुँचा हो, उनसे क्षमा की याचना।

www.bwcindia.org

Elephant Appreciation Day

22 September

गजराज प्रशंसा दिवस

२२ सितम्बर

hinsa vs. ahinsa

Baby elephants are mercilessly beaten into submission at camps run by people who are supposed to protect them.

जहाँ हाथी के बच्चों को सुरक्षा मिलनी चाहिए,
उसी शिबिरों में सिखाने के लिए क्रूरतापूर्वक पीटा जाता हैं।

Adult temple elephants spend their lives in misery.

मंदिरों में बड़े हाथियों का जीवन
दु:ख में व्यतीत होता है।

Elephants should be living free in jungles, not in camps and temples, or even in zoos or circuses.

हाथी जंगल में मुक्त रहने चाहिए, नहीं कि कैम्प और मंदिरों में, या चिड़ियाघर अथवा सर्कस में भी नहीं।

hinsa vs. ahinsa

International Rabbit Day

25 September

अंतर्राष्ट्रीय खरगोश दिवस

२५ सितम्बर

www.bwcindia.org

Rabbits specially bred and housed in wire cages are killed and skinned for their meat and fur.

खरगोशों को जालीदार पिंजरों में रख कर विशेष रुप से पालन किया जाता हैं।
उनके मांस और चर्म के लिए उन्हें मारा जाता है व उनकी खाल उधेडी जाती है।

Rabbit carcasses made to look "pretty". Is it worth killing bunny rabbits?

खरगोश के शव को "सुन्दरतापूर्वक" सजाये जाते हैं।
मासूम खरगोशों की क़त्ल करना उचित है?

Respect rabbits and their rights.

खरगोश एवं उनके अधिकारों का आदर करें।

www.bwcindia.org

Reverence for Life Month

October

जीवन के प्रति समादर माह

अक्टूबर

hinsa vs. ahinsa

Reverence for life means no killing, exploiting, abusing, harming, using, adorning, or eating any creature.

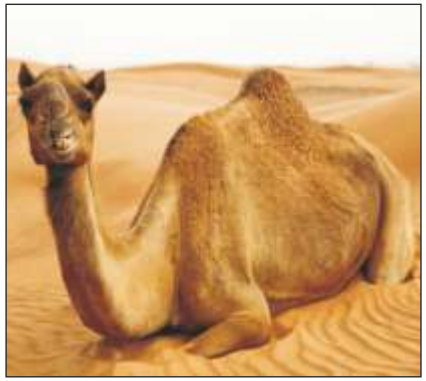

जीवन के प्रति समादर का अर्थ किसी भी जीव का वध नहीं, शोषण नहीं, दुरुपयोग नहीं, चोट पहुँचाना नहीं, उपयोग नहीं, सजावट नहीं या उसका भोजन नहीं।

Animals are sentient beings — not "property" or "things".

प्राणी संवेदनशील जीव हैं — न कि "संपत्ति" अथवा "वस्तु"।

hinsa vs. ahinsa

World Vegan Day

1 November

विश्व विगन दिवस

१ नवम्बर

www.bwcindia.org

Being vegan does not mean living a life of abstinence. Veganism celebrates life - animal and human.
It is easy not to eat or use animal derived products, or support animal exploitation.

विगन होने का तात्पर्य यह नहीं है कि परहेज का जीवन व्यतीत करें। विगनवाद प्राणियों और मनुष्यों के जीवन का उत्सव मनाता है।
प्राणिज पदार्थों के सेवन अथवा प्राणियों के शोषण का समर्थन न करना आसान है।

Veganism means living with compassion.
विगनवाद का तात्पर्य है करुणा के साथ जीना।

www.bwcindia.org

Diwali
दीपावली

hinsa vs. ahinsa

**Bursting firecrackers is harmful to all living beings.
Infants, the sick, the aged, animals and birds suffer the most.**

पटाखे फोड़ना सभी प्राणियों के लिए हानिकारक हैं।
शिशु, बीमार, वृद्ध, पशु एवं पक्षी इनसे सर्वाधिक कष्ट पाते हैं।

**Celebrate the festival without causing
air and noise pollution.**

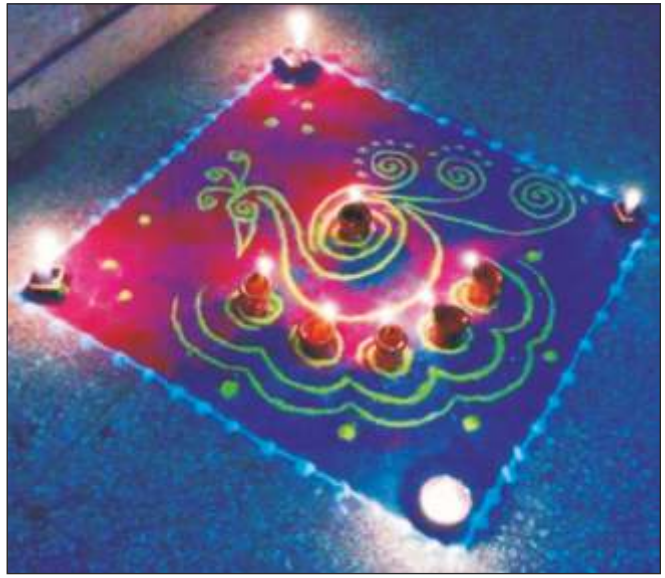

त्यौहार मनाइए बिना वायु और ध्वनि प्रदूषण पैदा किये।

Say NO to firecrackers NOW.
पटाखों को आज ही ना कहें।

hinsa vs. ahinsa

Meatless Day

25 November

मांस रहित दिवस

२५ नवम्बर

www.bwcindia.org

Are you willing to stab such living creatures to death?
If not, is it fair to get some one else to kill them so you can eat their flesh?

आप ऐसे बेज़ुबान प्राणियों का क़त्ल करके मारने को तैयार है?
यदि नहीं, तो आपके मांसाहार के लिए किसी अन्य के द्वारा उन्हें मारना कितना उचित है?

Meat is Murder.
मांस अर्थात् हत्या।

www.bwcindia.org

Shree Datta *Jayanti*
श्री दत्त जयंती

hinsa vs. ahinsa

The Hindu deity Lord Dattatreya, a personification of Brahma, Vishnu and Shiva, is always depicted with a cow which embodies creation, and four dogs symbolising the Vedas.

हिन्दू देवता भगवान दत्तात्रय
ब्रह्मा, विष्णु और शिव का मानवीकरण,
के साथ सदैव गाय-जोकि,
सर्जन का मूर्त स्वरुप है
और चार कुत्ते, जोकि वेदों के प्रतीक हैं,
साथ में चित्रित किये जाते हैं।

Regarded as one of the most ancient deities, Lord Dattatreya radiates peace, love and compassion.

सर्वाधिक पुरातन देवताओं में से एक माने जाने वाले देवता भगवान दत्तात्रय में से शान्ति, प्रेम और करुणा प्रस्फुट होते हैं।

hinsa vs. ahinsa

Christmas

25 December

क्रिसमस

२५ दिसम्बर

www.bwcindia.org

St. Francis of Assisi taught Christians a moral obligation to treat animals with compassion and mercy.
At Christmas 1223, the Saint created the first nativity featuring live animals.
An ox, an ass, a horse, sheep, birds and others feature in the manger.

असिसी के संत फ्रांसिस ने ईसाईओं को नैतिक दायित्व का बोध दिया कि प्राणियों के साथ करुणा व दयापूर्ण व्यवहार किया जाए।
१२२३ की क्रिसमस को संत ने यीशु की जन्मभूमि को आकार दिया, जिसमें जीवित पशु थे।
चरनी पर बैल, गधा, घोडा, भेड़, विभिन्न पक्षी और अन्य पशु नज़र आते हैं।

Doesn't that make eating a sumptuous roast beef or fowl
(turkey, duck, goose, guinea fowl or chicken) at Christmas contrary to the nativity?

क्या क्रिसमस के अवसर पर भूना हुआ बहुमूल्य गोमांस, मुर्गा
(टर्की, बत्तख, गिनी फाउल या चिकन) खाना जन्मभूमि की रचना के विचार के विरुद्ध नहीं है**?**

Show compassion and mercy by sparing a life. Opt for a Veg Christmas!
प्रत्येक जीव को बख्श कर करुणा व दया का परिचय दें। शाकाहारी क्रिसमस का चुनाव करे**!**

Pongal

14 January

पोंगल

१४ जनवरी

***Jallikattu* is barbaric, not brave. At Pongal, bulls with sharpened horns are goaded to fury and let loose on crowds for men to chase and grab their horns. Minimising cruelty is no solution, when a ban exists.**

जलीकट्टु का खेल पाशवी है, न कि वीरतापूर्ण। पोंगल के अवसर पर वृषभ के सींग नुकीले किये जाते हैं, आरी मार कर उन्हें लोगों की भीड़ के बिच छोड़ दिया जाता है। लोग उनके सींग पकड़ने के लिए पीछे भागते हैं। जब इस पर कानूनी पाबन्दी है, तो क्रूरता कम करना, कोई हल नहीं हैं।

Raise your voice against *Jallikattu*. Save bulls and humans from injuries and death.

जलीकट्टु के खिलाफ अपनी आवाज़ उठायें। बैलों और मनुष्यों को हताहत होने व मृत्यु से बचाएं।

hinsa vs. ahinsa

Bhogali Bihu

15 January

भोगली बिहू

१५ जनवरी

www.bwcindia.org

The Hayagriva Madhava temple at Hajo in Assam celebrates *Bhogali* or *Magh Bihu* by organizing bulbul-fights for thousands who come to watch.

असम के होजो में स्थित हयग्रीव महादेव मंदिर में बुलबुल-युद्ध के आयोजन के द्वारा हज़ारों दर्शकों की उपस्थिति में भोगली बिहू के पर्व को मनाया जाता है।

Months earlier hundreds of bulbuls are trapped from the forest and trained. On the day of the fight they are fed a herbal paste which gets them intoxicated. Although the birds are released back into the wild, there is no saying how many will survive.

जंगल में सैंकड़ों बुलबुल फांस कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है। युद्ध के दिन जड़ीबूटी की लेई खिलाई जाती है, जिसमें उन पक्षियों को नशाग्रस्त बनाया जाता हैं। हालांकि, पक्षियों को वापस जंगल में छोड़ दिया जाता है, लेकिन, यह निश्चित नहीं होता है कि इन में से कितने जीवित रहते हैं।

Condemn illegal bulbul-fights and all other fights between two of a species.

बुलबुल और अन्य जाति के पशु-पक्षियों के गैरकानूनी युद्ध की भर्त्सना करें।

www.bwcindia.org

World Day for the Abolition of Meat

Last Saturday of January

विश्व मांस उन्मूलन दिवस

जनवरी का अंतिम शनिवार

hinsa vs. ahinsa

Animals bred and raised to be killed for their flesh.

मांस के लिए पशु पैदा किये जाते, पाले जाते और मारे जाते है।

Produce from the land is not the result of exploitation, suffering and death.

जमीन की पैदावार शोषण, यातना और मृत्यु का परिणाम नहीं है।

No meat consumption: no meat production. Condemn intensive farming of sentient beings.

मांस का उपभोग नहीं: मांस का उत्पादन नहीं। सचेतन जीवों की अत्यधिक कृषिकारी की भर्त्सना करें।

hinsa vs. ahinsa

National Bee Day

5 February

राष्ट्रीय मधुमक्खी दिवस

५ फरवरी

www.bwcindia.org

Bees are natural pollinators and should be used to enhance only agricultural productivity.

मक्खियाँ कुदरतन परागणकर्ता हैं और प्रयोग केवल कृषि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए ही किया जाना चाहिए।

Honey is the bees' food that we steal. Each time a forest hive is robbed, a minimum of 10,000 bees suffer and die. Apiary honey is like factory farming: queen bees whose wings are trimmed to avoid escape, are artificially inseminated and tricked into laying more eggs. Each time honey is extracted and replaced by sugar syrup, at least 30,000 worker bees are adversely affected.

शहद मधुमक्खियों का आहार है, जिसे हम चुरा लेते हैं। जितनी बार शहद का छत्ता तोड़ा जाता है, उतनी बार न्यूनतम १०,००० मधुमक्खियाँ कष्ट पाकर मर जाती हैं। मधुमक्षिशाला (एपिएरी) पशुपालन केंद्र की भांति है: रानी मक्षि के पंख काट दिये जाते हैं, ताकि वे भाग न सकें, उनका कृत्रिम गर्भाधान किया जाता है और धोखे से उनसे अधिक अण्डे दिलाये जाते हैं। जितनी बार शहद निकाला जाता है और उसके स्थान पर शक्कर की चाशनी रखी जाती है, कम से कम ३०,००० कामगार मक्खियाँ दुष्प्रभावित होती हैं।

Honey can never be *ahinsak*.

शहद कभी अहिंसक नहीं हो सकता।

www.bwcindia.org

Pig Day

1 March

सूअर दिवस

१ मार्च

hinsa vs. ahinsa

Pigs are bred, raised and killed for pork and sausage.

सूअर को गोश्त व सोसेज के लिए पैदा किया जाता है,
पाला जाता है व मारा जाता है।

Pigs are also tortured to obtain hog bristles.

सूअर के कड़े बाल पाने के लिये
उन पर अत्याचार भी किया जाता है।

Synthetic brushes are as good, if not better.

सिंथेटिक ब्रश बेहतर न हो,
पर समान रुप से अच्छे है ही।

Use synthetic bristle paint brushes, hair brushes, and even shaving brushes!

सिंथेटिक बाल वाले पेंट ब्रश, कंधी करने के ब्रश और दाढ़ी बनाने के ब्रश का ही प्रयोग करें!

Holi
होली

***Holi*, the festival of colours, heralds the arrival of spring. But many unfortunately use metallic colours which are harmful. They clog drains and pollute the earth's water and soil, killing many innocent creatures.**

रंगों का पर्व होली, बसंत के आगमन का अग्रदूत है।
परन्तु, बहुत से लोग दुर्भाग्यवश, हानिकारी धात्विक रंगों का प्रयोग करते हैं।
उनके कारण नालियां अवरुद्ध हो जाती हैं और धरातल पर पानी
और मिट्टी प्रदूषित हो जाते हैं, बहुत सारे मासूम जीव मारे जाते हैं।

Eco-friendly colours are made from plants. Better still, to save water, some play *Sookhi Holi* with dry colours also made from plants.

पर्यावरण-अनुकूल रंग वनस्पति से बनते हैं।
तथापि, जल बचाने की आवश्यकता को देखते हुए
कई लोग वनस्पति से निर्मित सूखे रंगों से सूखी होली खेलते हैं।

Happy *Holi*!
होली की मंगलकामनाएं!

www.bwcindia.org

World Rat Day
4 April
विश्व मूषक दिवस
४ अप्रैल

hinsa vs. ahinsa

In India rats are the most abused animals and are usually battered or poisoned to death.

भारत में सर्वाधिक दुर्व्यवहार पाने वाने प्राणियों में चूहे हैं,
और सामान्यत: उन्हें पिट कर अथवा विष देकर मार दिया जाता हैं।

Yet, over 20,000 rats are fed and revered at the Karni Mata Temple in Deshnok, Rajasthan.

तथापि, २०,००० से भी अधिक चूहों को राजस्थान के
देश्नोक स्थित कर्णी माता के मंदिर में
खिलाया, पिलाया और सम्मान दिया जाता है।

A day to win some respect back for rats.
चूहों के वापस सम्मान पाने का दिन।

hinsa vs. ahinsa

World Day for Laboratory Animals

24 April

विश्व प्रयोगशाला प्राणी दिन

२४ अप्रैल

www.bwcindia.org

Millions of animals are tortured for research and product safety although prior to marketing, clinical trials are any way conducted on humans.

अनुसंधान एवं उत्पाद के लिये लाखों प्राणियों पर सितम बरसाया जाता है,
हालांकि, विपणन के पूर्व, वैसे भी मनुष्यों पर नैदानिक परीक्षण किये ही जाते हैं।

Boycotting products tested on animals is increasing in popularity.

प्राणियों पर आज़माए गए उत्पादों का बहिष्कार करने की
लोकप्रियता बढती जा रही है।

Use products that have not been tested on animals (and contain no animal ingredients).

ऐसे ही उत्पाद का उपयोग करें जिन्हें प्राणियों पर जांचा न गया हो
(और जो प्राणिज घटक से मुक्त हों)।

www.bwcindia.org

International Respect for Chickens Day

4 May

अंतर्राष्ट्रीय चुज़ा सम्मान दिवस

४ मई

hinsa vs. ahinsa

Hundreds of coloured chicks sold on the roadside are the poultry industry's unwanted males.

सड़क के किनारे बिकने वाले सैंकड़ों रंगीन चूज़े मुर्गीपालन उद्योग के अवांछित नर होते हैं।

They are dumped in cheap, hazardous dyes containing hydrogen peroxide, ammonia and colour. New feathers are normal, so when the coloured ones fall off, the attraction is lost, and the birds are discarded.

उन्हें हाइड्रोजन पेरोक्साइड, अमोनिया और रंगयुक्त सस्ते हानिकारी डाई में फैंक दिया जाता हैं। जब उन्हें नए पंख आते हैं, तब नॉर्मल ही आते हैं। अर्थात्, पुराने रंगीन पंख झड़ जाने पर उनका आकर्षण समाप्त हो जाता है, और पक्षियों को फैंक दिया जाता हैं।

Do not buy coloured chicks and encourage their illegal trade.

रंगीन चूज़े कभी न खरीदें, न ही उनके अवैध व्यापार को बढ़ावा दें।

hinsa vs. ahinsa

International Migratory Bird Day

Second Saturday of May

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी पक्षी दिवस

मई का दूसरा शनिवार

www.bwcindia.org

Over a hundred species of birds migrate to India, to escape winter.

शीत काल से बचने के लिए सौ से अधिक पक्षी प्रजातियाँ भारत में स्थानांतरण करती हैं।

Migratory birds, rescued in Himachal Pradesh, were found with their legs tied and eyelids stitched together.

हिमाचल प्रदेश में बचाए गए प्रवासी पक्षी पैर बांधे हुए और पलक सिली हुई अवस्थामें पाये गये थे।

In Jatinga (Assam) villagers have been convinced to stop hunting migratory birds with bamboo poles and catapults, and promote tourism instead.

असम के जातिंगा में ग्रामवासियों को प्रवासी पक्षियों को बांस के खम्बे व गुलेल से शिकार करना बंद करके प्रवासन को प्रोत्साहन देने को राजी कर लिया गया है।

Migratory birds are our guests.

प्रवासी पक्षी हमारे अतिथि हैं।

www.bwcindia.org

Buddha Purnima

बुद्ध पूर्णिमा

hinsa vs. ahinsa

“He, indeed, is wise who does not hurt any creature, whether feeble or strong, who does not kill nor cause slaughter.”
— The Buddha

“वह वाकई ज्ञानी है,
जो कमज़ोर या शक्तिशाली किसी भी
जीव को न तो मारता है,
न ही उनका वध करवाता है।”
— बुद्ध

Having reverence for all creation is a virtue.
सभी जीवों के प्रति सम्मान होना सद्गुण है।

hinsa vs. ahinsa

World Environment Day

5 June

विश्व पर्यावरण दिवस

५ जून

www.bwcindia.org

Of all the animals on earth, humans are the most environmentally destructive. They are to blame for global warming, extinction of animals and plants, plundering land and oceans, and polluting the atmosphere.

Fortunately, humans have a choice and a chance to bring about change on earth before it is far too late.

पृथ्वी पर रहने वाले सभी प्राणियों में मनुष्य पर्यावरण का सर्वाधिक विनाश करते हैं।
वे ही ग्लोबल वार्मिंग - भूमण्डल तापक्रम वृद्धि, प्राणियों एवं पौधों के उन्मूलन,
ज़मीन और महासागर की लूट-खसोट एवं वातावरण को प्रदूषित करने के लिय दोषी हैं।
सैभाग्य से, अभी भी मनुष्यों के पास विकल्प और अवसर है कि वे पृथ्वी पर बदलाव लाएं,
इससे पहले कि अत्यधिक विलम्ब हो जाए।

Eco-consciousness and a green lifestyle result in good health for our planet and ourselves.

पर्यावरणीय-समज़दारी और हरित जीवनशैली का परिणमन इस ग्रह-पृथ्वी और हमारे स्वयं के स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा।

www.bwcindia.org

International Day of Yoga

21 June

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

२१ जून

hinsa vs. ahinsa

Most people who practise yoga are vegetarian because of their belief in *ahimsa*. A person who eats meat absorbs the negativity of the killed animals, and this prevents energy from flowing freely thus hindering meditation; whereas, compassion can bring about enlightenment.

बहुतसे लोग योग करते हैं, वे शाकाहारी होते हैं,
क्योंकि उनकी आस्था अहिंसा में होती है।
जो व्यक्ति मांसाहारी है, वह मारे हुए प्राणी की
नकारात्मकता अवशोषित करता है और
इसके कारण मुक्त रुप से प्रवाहित ऊर्जा अवरुद्ध होती है।
अंतत: ध्यान-साधना में बाधा पहुँचती है,
जबकि करुणा अंतिम ज्ञानोदय तक पहुँचती है।

A lifestyle devoid of animal products is good for us all, whether or not we practise yoga.

हम सभी के लिये प्राणिज उत्पादन रहित जीवनशैली अच्छी है, चाहे हम योग करते हों अथवा नहीं।

hinsa vs. ahinsa

Van Mahotsav Week

1-7 July

वन महोत्सव सप्ताह

१-७ जुलाई

www.bwcindia.org

Deforestation is a real threat to our survival.
Had every Indian, from 1950 onwards planted a sapling during the *Van Mahotsav* week, the situation would have been different today.
Trees benefit animals, birds and humans because they absorb carbon dioxide that we breathe out, and produce oxygen that we breathe in.

निर्वनीकरण हमारे अस्तित्व के खिलाफ वास्तविक खतरा है।
१९५० से लेकर यदि प्रत्येक भारतीय ने वन महोत्सव के दौरान पौधे रोपित किये होते, तो आज परिस्थिति अलग ही होती।
वृक्षों के कारण प्राणियों को, पक्षियों को और मनुष्यों को लाभ होता है, क्योंकि हम श्वास छोड़ते समय जो कार्बन डाईऑक्साइड निकालते हैं, वृक्ष उसका अवचूषण करते हैं और ऑक्सिजन उत्पादन करते हैं।

Each one, plant one.
प्रत्येक व्यक्ति एक पौधे का रोपण करे।

www.bwcindia.org

Cow Appreciation Day

15 July

गाय प्रशंसा दिवस

१५ जुलाई

hinsa vs. ahinsa

It is not beef-eating alone that kills the cow and its progeny...

केवल गौमांस भक्षण ही नहीं जिसके कारण गाय और उसकी संतति का क़त्ल होता है...

It is the leather goods as well...

चमड़े के सामान के कारण भी ऐसा होता है...

And the bone china...

और बॉन चाइना भी...

And the gelatine capsules.

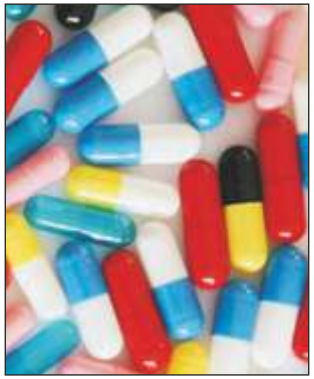

और जेलेटिन कैप्सूल्स भी।

Do not use leather, bone china or even gelatine capsules.

चमड़ा, बॉन चाइना और जेलेटिन कैप्सूल्स का भी प्रयोग न करें।

hinsa vs. ahinsa

Wild Birds

वन्य पक्षी

www.bwcindia.org

Trapping, transporting and trading traumatise birds.
They are illegally displayed and sold in local markets.

फांसने से, परिवहन करने से और उनका व्यापार करने से
पक्षियों को आघात पहुँचता है।
उनका अवैध रुप से प्रदर्शन करके स्थानीय बाज़ारों में
उनकी बिक्री की जाती है।

Taming and training birds is cruel.

पक्षियों को पालतू बनाना और प्रशिक्षण देना क्रूरता है।

Do not cage birds.
पक्षियों को पिंजरे में कैद न करें।

hinsa vs. ahinsa

Beauty Without Cruelty - India

Date and place of birth:
12 September 1974, Pune

ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी - भारत

जन्म तिथि और जन्म स्थान:
१२ सितम्बर १९७४, पुणे

Beauty Without Cruelty
is a way of life which causes
no creature of land, sea or air
terror, torture or death

ब्यूटी विदाउट क्रुएल्टी
एक ऐसी जीवनपद्धति है जो किसी जीव को
चाहे वो भूमि, जल अथवा वायु का हो
भय, पीड़ा अथवा मृत्यु नहीं पहुँचाती

Thank you for practising what BWC preaches.

बी डब्ल्यू सी की बताई बातें आचरण में लाने के लिए धन्यवाद।

Long live BWC and its supporters!
बी डब्ल्यू सी और उसके समर्थक दीर्घायु हों!

www.bwcindia.org

Beauty Without Cruelty - India

An International Educational Charitable Trust for Animal Rights since 1974
4 Prince of Wales Drive, Wanowrie, Pune 411 040. Email: admin@bwcindia.org